major heads of development are indicated below: (Rs. crores)

Head of Development	First Plan	Second Plan	Third Plan
1. Agriculture and Allied Programmes	289·89	529·00	1088·90
2. Irrigation and flood control	434·05	420·17	664·70
3. Power	148·83	445·49	1252·30
4. Industry and Minerals	96·83	1075·55	1962·30
5. Transport and Communications	517·81	1299·75	2111·70
6. Social Services	316·21	666·83	1354·90
7. Miscellaneous	156·38	163·21	138·20

A classification of plan expenditures on the basis of investments benefitting rura' people and urban people separately is not possible. Development investments, directly or indirectly, generally benefit people both in the urban and rural areas.

1497. *[Transferred to the 28th August, 1974]*

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में सीमेंट के कारखानों की स्थापना

1498. **श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा:** क्या औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रदियोगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सीमेंट निगम द्वारा मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में सीमेंट का एक कारखाना स्थापित करने हेतु चूना पत्थर के संबंध में जो सर्वेक्षण किया गया था उससे यह प्रकट हुआ है कि सुवाखेड़ा, खेड़ाराठौड़, बीसलवास आदि ग्रामों के निकट स्थित खानों में जो चूना पत्थर उपलब्ध है वह सीमेंट के दो कारखानों के लिए कच्चे माल की मांग को पूरा करने में समर्थ है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सीमेंट निगम द्वारा सीमेंट का जो कारखाना स्थापित किया जा रहा है उसके अतिरिक्त एक और कारखाना स्थापित करने के लिए प्रयास किऐ जा रहे हैं और क्या राज्य सरकार ने भी सीमेंट का एक और कारखाना स्थापित करने के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं ?

t [Setting up of cement factories in Man dsaur district in Madhya Pradesh

1498. SHRI V. K. SAKHLECHA: WiH the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state :

(a) whether the survey carried out by the Cement Corporation of India in regard to lime-stone for setting up a cement factory in Mandsaur district of Madhya Pradesh has revealed that the lime-stone available in the mines located near the Suvakhera, Khera-rathor, Wisalvas etc. villages is sufficient to meet the demand of raw material for two cement factories; and

(b) if so, whether efforts are being made to set up a cement factoiy in addition to the one being set up by the Cement Corporation and whether the State Government have also submitted any proposal for setting up another cement factory?]

t[ ] English translation.

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जिआउर रहमान अन्सारी) (क) और (ख) मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में सीमेंट निगम द्वारा जिस संयंत्र को लगाए जाने का विचार है उसकी क्षमता 1200 मी० टन प्रतिदिन होगी जो 600 मी० टन दैनिक क्षमता वाले दो प्रतिमानित सीमेंट संयंत्रों की क्षमता के बराबर हैं। इस क्षेत्र में उपलब्ध अतिरिक्त कच्चे माल को प्रस्तावित संयंत्र का और आगे विस्तार करने के लिए काम में लाया जाएगा।

इस क्षेत्र में सीमेंट का कोई दूसरा संयंत्र लगाने के लिए राज्य सरकार से कोई भी प्रस्ताव नहीं मिला है।

f[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI ZIAUR RAHMAN ANSARI): (a) and (b) The capacity of the plant proposed to be put up by the Cement Corporation in .Va.-dbaur DiiUxt, Madhya Pradesh is 1200 tonnes per day which is equivalent to two standard *oetasoi* olants each of 600 tonnes p?r ilay capacity. The additional raw material available in this area is intended to be used for further expansion of the proposed plant.

No proposal from the State Government for setting up another cement plant in this area has been received].

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में उद्योगों की स्थापना

1499. **श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा :** क्या **औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में उदयोगों की स्थापना के लिए आशय-पत्र जारी किए गए है और यदि हां, तो इन उद्योगों के नाम क्या है ; और

(ख) उन फर्मों या कम्पनियों के नाम क्या है जो उक्त उद्योग स्थापित करने का विचार रखती हैं ?

t [Setting up -of industries in Betul district in Madhya Pradesh

1499. SHRI V. K. SAKHLECHA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that letters of intent have been issued for setting up industries in Betul district of Madhya Pradesh, if so, the names of the industries; and

(b) the names of the firms or companies which propose to set up the said industries ?]

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रोद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सुब्रह्मण्यम) : (क) और (ख) नवम्बर, 1973 से जून, 1974 की अवधि में मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में स्थापित किए जाने के लिए खास तौर से कोई आशयपत्र जारी नहीं किया गया है। किन्तु इस अवधि में इस राज्य के पिछड़े जिलों में स्थापित किए जाने के लिए 15 आशयपत्र और 16 औद्योगिक लाइसेन्स जारी किए गए। इन मामलों में से एक आशय पत्र और तीन औद्योगिक लाइसेन्सों में वास्तविक स्थापना स्थल का उल्लेख नहीं किया गया है इन्हें राज्य के पिछड़े जिलों में कहीं भी स्थापित किया जा सकेगा। इसी अवधि में राज्य में स्थापित करने के लिए जिनमें स्वीकृति देते समय वास्तविक स्थान का निश्चय नहीं किया था चार अन्य आशयपत्र भी जारी किए गए हैं।

tt] English translation.